मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मंत्रीपरिषद् के सदस्यों एवं विधायकों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से आव्हान किया कि वे राज्य सरकार के विकास कार्यों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं।

संगठन व सरकार के कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधि जनता के साथ जुड़ें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों व विधायकों की बैठक में सरकार के दो साल के कार्यक्रमों की रुपरेखा बताई

जयपुर 7 दिसम्बर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर मंत्रीपरिषद् के सदस्यों एवं विधायकों के साथ बैठक की। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित मंत्री परिषद् के सदस्य एवं भाजपा दल के विधायक मौजूद थे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में नियमित प्रयास करें, आमजन व कार्यकर्ताओं से फीडवैक लें और निकाय व पंचायत चुनावों की तैयारी करें।**

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि की जनता के प्रति जवाबदेही होती है। जन आकांक्षाओं को पूरा करना ही जनप्रतिनिधि की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दो साल पूरे होने पर 15 दिन तक विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। संगठन एवं सरकार के कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों के लिए अपने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं जनता से जुड़ने का सुअवसर होते हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के दौरान सभी जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में प्रवास पर रहें और कार्यकर्ताओं एवं आमजन को साथ लेकर अपने विधानसभा क्षेत्र व राज्य सरकार के विकास कार्यों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं।

शर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के आमजन एवं कार्यकर्ताओं से जुड़ाव रखना चाहिए। इसके लिए जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में अलग-अलग हिस्सों में नियमित प्रवास करें और आमजन व कार्यकर्ताओं से फीडबैक लें। संगठन में नए लोगों को जोड़ें और जिम्मेदारी भी दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इन दो साल के जनकल्याणकारी कार्यों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं तथा निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी करें।

बहराइच में भेड़िया चार माह के बच्चे को उठा ले गया

बहराइच, 07 दिसंबर। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के कैसरगंज थाना क्षेत्र में गोड़हिया नंबर 3 के मजरे मल्लाहनपुरवा में शनिवार देर रात एक भेड़िया घर में घुसकर चार माह के बच्चे को उठा ले गया। यह घटना रात करीब 12:30 बजे की है और इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। सूत्रों के अनुसार, संतोष का चार माह का बेटा सुभाष अपनी मां किरन के साथ सो रहा था जब भेड़िया उसे उठा ले गया। जब मां की आंख खुली और बच्चे को न देख उसने शोर मचाया, तो आसपास के ग्रामीण बच्चे की तलाश में निकल पड़े। लेकिन, बच्चे का कोई पता नहीं चला। संतोष और किरन की शादी को दो साल हुए थे, और सुभाष उनका इकलौता बच्चा था। इस घटना से मां किरन का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि परिवार और ग्रामीण बच्चे की खोज में जुटे हुए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इलाके में भेड़ियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीण चिंतित हैं कि इस स्थिति का समाधान कब होगा और कितने बच्चों को अपनी जान गंवानी पड़ेगी।

शेख हसीना का निजी फैसला है भारत में रहने का- जयशंकर

भारत सरकार ने बांग्लादेश की उन्हें प्रत्यर्पित करने की मांग पर कोई जवाब नहीं दिया है

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। बांग्लादेश सरकार की तरफ से देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से ढाका प्रत्यर्पित करने की मांग की जा रही है। इसे लेकर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, भारत में रहना शेख हसीना का निजी फैसला है और इस फैसले की वजह बांग्लादेश के हालात हैं। शेख हसीना को बीते महीने ही बांग्लादेश में मानवता के खिलाफ अपराध के दोष में मौत की सजा सुनाई गई है। भारत सरकार ने अभी तक बांग्लादेश सरकार की मांग पर कोई जवाब नहीं दिया है।

- **विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत चाहता है कि बांग्लादेश में स्थिरता रहे और लोकतांत्रिक मान्यता रहे।**

हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप सम्मेलन के दौरान जब विदेश मंत्री से पूछा गया कि क्या शेख हसीना जब तक चाहें, तब तक भारत में रह सकती हैं? इसके जवाब में विदेश मंत्री ने कहा, यह एक अलग सवाल था, वे यहां कुछ खास परिस्थितियों के चलते आईं, लेकिन उन्हें ही ये तय करना होगा। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि भारत, बांग्लादेश का शुभचिंतक है। बांग्लादेश और भारत के रिश्तों पर भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, बांग्लादेश के मौजूदा लीडरशिप ने पिछले चुनावों को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि अगर मुद्दा चुनाव था, तो सबसे पहले निष्पक्ष चुनाव कराए जाने चाहिए। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत बांग्लादेश में स्थिरता और लोकतांत्रिक मान्यता चाहता है।

गौरतलब है कि शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में थोड़ी खटास आई है।रूसी राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे से अमेरिका के साथ संबंधों पर असर के सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा , हमने हमेशा साफ कहा है कि हमारे कई संबंध हैं और हमारे पास विकल्पों की आजादी है। अभी हमारे लिए अमेरिका के साथ व्यापार समझौता अहम है।

नासिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दल की ओर से राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। गहरी घाटी होने के कारण राहत कार्य में कठिनाई आ रही है।

छत्तीसगढ़ में ट्रेलर में कार घुसी, 5 युवकों की मौत

जशपुर, 07 दिसंबर। छत्तीसगढ के जशपुर जिले के थाना दुलदुला क्षेत्र के ग्राम लोरो से पतराटोली के मध्य नेशनल हाइवे-43 पर पंडरी पानी मोड़ के पास बीती रात हुए भीषण सड़क हादसे में कार और ट्रेलर की टक्कर में पांच युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। हादसा रात 06 और 07 दिसंबर की दरम्यानी रात हुआ। रविवार की दोपहर पुलिस ने बताया कि आई- 20 कार और ट्रेलर की आमने-सामने की टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे सभी पांच लोगों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच उपरांत सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सभी शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। दुलदुला थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद से ट्रेलर चालक फरार है, जिसकी तलाश जारी है। मामले में बीएनएस की धारा 281 और 106(1) के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

‘जब तक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई किराए पर लगाम लगाने का कारण बताते हुए कहा कि इंडिगो में परिचालन की गड़बड़ी के चलते उड़ानें कम हो गईं और कम सीटों की वजह से टिकटों की कीमतें अचानक बहुत बढ़ गईं।

हाईकोर्ट लिपिक भर्ती में चयनित अभ्यार्थी गिरफ्तार

स्पेन से मंगाए स्पाई कैमरा व ब्लूटूथ से लीक पेपर के उत्तर अभ्यर्थियों को पहुंचाये गए थे

जयपुर, 7 दिसंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित कनिष्ठ न्यायिक सहायक, लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग कर चयनित हुए चार अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। यह परीक्षा 12 मार्च और 19 मार्च 2023 को संपन्न हुई थी।

- **इस प्रकरण में अब तक सरगना पौरव कालेर सहित कुल 21 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।**

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि इस पूरे हाई-टेक नकल तंत्र का खुलासा तब हुआ जब एसओजी ने इसी अवधि में आयोजित हुई ईओ-आरओ परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग की सूचना पर जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण और पूछताछ में यह स्थापित हुआ कि पेपर लीक का मुख्य सरगना पौरव कालेर और उसका साथी तुलसाराम कालेर लाखों रुपये लेकर अभ्यर्थियों को ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से उत्तर उपलब्ध करवा रहे थे। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर पौरव कालेर को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका था।

एडीजी बंसल ने जानकारी दी कि इस गिरोह के नेटवर्क को तोड़ने के लिए डीआईजी एसओजी परिस देशमुख के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने गहनता से सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का विश्लेषण किया और यह स्थापित किया कि हाईकोर्ट कनिष्ठ लिपिक परीक्षा में भी इसी गिरोह द्वारा नकल करवाई गई थी। इस आधार पर थाना एसओजी, जयपुर में प्रकरण दर्ज कर विस्तृत अनुसंधान किया गया।

बंसल ने बताया कि अभ्यर्थियों से लाखों रुपये का सौदा किया गया था। दिनेश से 3 लाख, मनोज से 4 लाख, रमेश से 5 लाख, और मनीष से 3 लाख रुपये लिए गए। नकल करवाने के लिए उसने स्पेन से 90 हजार की कीमत में इनोवा केम ड्रॉप बॉक्स स्पाई कैमरा मंगाया था। गिरोह के दो सदस्य अभ्यर्थी बनकर परीक्षा में बैठे और प्रश्न पत्र मिलते ही स्पाई कैमरे से उसकी स्क्रीनशॉट लेकर तुरंत सरगना पौरव कालेर को भेज दिया।

पौरव कालेर अपनी सॉल्वर एक्सपर्ट टीम के साथ पहले से तैयार था, जिसने तुरंत प्रश्न पत्र हल किया। इसके बाद पौरव कालेर ने विशेष डिवाइस की मदद से उन सभी अभ्यर्थियों से संपर्क किया। जिन्हें ब्लूटूथ डिवाइस दी गई थी, और उन्हें सही उत्तर पढ़ा दिए। इस बात की पुष्टि हुई कि 12 मार्च 2023 को जितेंद्र उर्फ अक्षय जाट और 19 मार्च 2023 को राजेश कुमार बिजारणियां द्वारा प्रश्न पत्र के स्क्रीनशॉट पौरव कालेर को भेजे गए थे। चयन के बाद इन अभ्यर्थियों ने तय की गई लाखों की राशि सरगना को दी थी।

इस प्रकरण में अब तक सरगना पौरव कालेर सहित कुल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार किए गए चारों कनिष्ठ लिपिकों को न्यायालय द्वारा 10 दिसंबर 2025 तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

एसओजी द्वारा इनसे पूछताछ में अन्य लिप्त व्यक्तियों और वित्तीय लेन-देन के बारे में जांच जारी है। एडीजी विशाल बंसल ने दोहराया कि सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्षता के साथ छेड़छाड़ करने वालों के विरुद्ध एसओजी कठोरतम कार्रवाई जारी रखेगी। क्योंकि परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना राज्य पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

छठे दिन इंडिगो की 650 उड़ानें रद्द हुईं, हैदराबाद सर्वाधिक प्रभावित

इंडिगो ने 10 दिसम्बर तक उसकी उड़ानों का परिचालन स्थिर हो जाने की आशा जताई

नयी दिल्ली, 07 दिसंबर। इंडिगो का संकट छठे दिन भी जारी रहा और उसकी लगभग 650 उड़ानें रद्द कर दी गईं। कंपनी को 10 दिसंबर तक परिचालन स्थिर होने की उम्मीद है। इसी बीच, रविवार को नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के यात्रियों को अब तक कुल 610 करोड़ रुपये का रिफंड किया जा चुका है। इसके अलावा, इंडिगो ने देशभर में यात्रियों को उनके 3000 से ज्यादा बैग भी सौंप दिए हैं।

- **नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इंडिगो के यात्रियों को अब तक 610 करोड़ रुपए का रिफंड किया जा चुका है तथा तीन हजार से अधिक बैग यात्रियों को सौंपे जा चुके हैं।**

फिलहाल 2,300 निर्धारित दैनिक सेवाओं में से 1,650 उड़ानें संचालित करने के दावों के बावजूद संकट बरकरार है।सबसे ज्यादा हैदराबाद हवाई अड्डा प्रभावित रहा, जहां से रविवार को 115 उड़ानें रद्द हुईं। इसके बाद मुंबई और दिल्ली में क्रमश: 112 और 109 उड़ानें रद्द हुईं। चेन्नई में 38 उड़ानें रद्द हुईं, जबकि अमृतसर में 11 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि हालिया परिचालन गड़बड़ियों के बाद एयरलाइन अपने पूरे नेटवर्क में और महत्वपूर्ण तथा लगातार सुधार कर रही है। इसका पहला कदम शनिवार को उठाया गया था। रविवार को पहले की तुलना में कम उड़ानें रद्द हुई । ये उड़ानें पहले रद्द की गईं हैं ताकि हम अपने ग्राहकों को समय पर सूचित कर सकें।

उन्होंने दावा किया कि उनकी टीमें परिचालन को स्थिर करने के लिए लगातार काम कर रही हैं और शनिवार की 1,500 उड़ानों की तुलना में रविवार को 1,650 उड़ानें संचालित की जा रही हैं। इंडिगो ने कहा कि उसका ऑन-टाइम प्रदर्शन लगभग 75 प्रतिशत हो गया है, जो एक दिन पहले दर्ज किए गए लगभग 30 प्रतिशत से अधिक है।

इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि लंबित दावों और सामान संबंधी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा रहा है। इंडिगो ने हालांकि सेवाओं के सामान्य होने के लिए कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की है।

एयरलाइन ने अब तक के घटनाक्रम पर असुविधा के लिए माफी मांगते हुए कहा है कि उसे ग्राहकों को हुई दिक्कतों पर खेद है और यह संकेत दिया कि उसका परिचालन 10 दिसंबर तक स्थिर हो जाएगा

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने अपने अब तक के सबसे बड़े परिचालन संकट के कारण हजारों फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया। नए नियमों के तहत पायलटों की ड्यूटी समय सीमा में बदलाव और इंडिगो के लीन-स्टाफिंग मॉडल ने मिलकर इस भयावह संकट को जन्म दिया। दरअसल, डीजीसीए ने फ्लाई ड्यूटी टाइम लिमिट नियमों में बदलाव किए। नए नियमों के तहत पायलटों को हर हफ्ते दिए जाने वाले 36 घंटे के ब्रेक को बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया, रात में फ्लाइट की संख्या सीमित कर 2 कर दिया गया।

नए नियमों की वजह से प्रत्येक पायलट द्वारा ऑपरेट की जाने वाली फ्लाइट्स की संख्या में काफी कमी आ गई। इंडिगो ने अपने एयरबस 320 फ्लीट के लिए 2422 कैप्टन की जरूरत बताई थी, लेकिन उनके पास सिर्फ 2357 कैप्टन उपलब्ध थे और फर्स्ट ऑफिसर्स की संख्या भी कम थी, जिसकी वजह से इंडिगो को रोजाना सैकड़ों फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं।

सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपों और अंदाजों के आधार पर हिरासत में रखा गया है। इसलिए इसकी कोई कानूनी वजह नहीं है। अंगमो ने कहा कि 24 सितंबर को लेह में हुई दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा की घटनाओं को किसी भी तरह से वांगचुक के कामों या बयानों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अंगमो ने कहा कि वांगचुक ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल के ज़रिए हिंसा की निंदा की और साफ तौर पर कहा कि हिंसा से लद्दाख की तपस्या और पांच साल की शांतिपूर्ण कोशिश नाकाम हो जाएगी। वांगचुक ने हिंसा को लेकर कहा, यह उनकी ज़िंदगी का सबसे दुखद दिन था। वांगचुक को 26 सितंबर को सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठे शेड्यूल में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में हुए हिंसक प्रदर्शन में चार लोग मारे गए और 90 लोग घायल हुए थे। हिंसा के दो दिनों के बाद सोनम वांगचुक को हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

रुस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किए, जिसमें हाइपरसोनिक किंझल मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। रूसी सशस्त्र बलों ने 140 इलाकों में एक यूक्रेनी सैन्य हवाई अड्डे, ईंधन डिपो और यूक्रेनी सैनिकों और भाड़े के सैनिकों के अस्थायी तैनाती स्टेशनों को निशाना बनाया।

राजनाथ ने सीमा सड़क संगठन की 5 हजार करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

ये परियोजनाएं लद्दाख -जम्मू कश्मीर तथा राजस्थान सहित सात राज्यों में स्थित हैं

नई दिल्ली, 07 दिसंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पांच हजार करोड़ रूपये से अधिक लागत वाली 121 ढ ांचागत परियोजनाओं का रविवार को लद्दाख में उद्घाटन किया।

- **सीमा सड़क संगठन के इतिहास में इतनी परियोजनाओं का एक साथ उद्घाटन पहली बार हुआ है। इनमें 28 सड़कें तथा 93 पुल शामिल हैं।**

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर बताया कि पहली बार एक साथ इतनी ज्यादा परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है। इनमें से दो केंद्र शासित प्रदेशों – लद्दाख और जम्मू-कश्मीर – और बाकी सात राज्यों – अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम में हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और 04 अन्य परियोजनाएं हैं। सीमा सड़क संगठन के इतिहास में यह पहला मौका है जब इतनी परियोजनाओं का एक साथ उद्घाटन किया गया है। इन परियोजनाओं से दूरदराज के गांवों और अग्रिम सैन्य चौकियों में अंतिम छोर तक पहुंच बनाने में काफी मदद मिलेगी। इससे ये क्षेत्र राष्ट्रीय मुख्यधारा के करीब आएंगे। रक्षा मंत्री ने दौलत बेग ओल्डी रोड पर श्योक टनल पर आयोजित एक कार्यक्रम में ये उद्घाटन किए। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाकों में से एक में बनी ये परियोजनाएं रणनीतिक क्षेत्र को हर मौसम में विश्वसनीय संपर्क सुनिश्चित करेंगी।

उन्होंने कहा कि यह 920 मीटर लंबी कट एंड कवर टनल सुरक्षा, गतिशीलता और तेजी से तैनाती की क्षमताओं को काफी बढ़ाएगी। रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों के कर्मियों की अद्वितीय बहादुरी, प्रतिबद्धता और बलिदान का सम्मान करने के लिए अरुणाचल प्रदेश में गलवान युद्ध स्मारक का भी वर्चुअली उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, ''सीमावर्ती क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढ ांचे के कई फायदे हैं। यह सैन्य गतिशीलता, रसद के सुचारू परिवहन, पर्यटन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि और सबसे महत्वपूर्ण बात, विकास, लोकतंत्र और सरकार में मजबूत विश्वास सुनिश्चित करता है।'' रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि जिस तेज़ी से भारत सड़कों, सुरंगों, स्मार्ट फेंसिंग, इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर और सर्विलांस सिस्टम से अपनी सीमाओं को मज़बूत कर रहा है, वह इस बात का सबूत है कि कनेक्टिविटी सुरक्षा की रीढ़ है, न कि कोई अलग चीज़।

बालाघाट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और मध्यप्रदेश सरकार की ओर से इनाम घोषित किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक भी व्यक्ति को हथियार उठाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने नक्सलियों से आव्हान किया कि वे सरकार की पुनर्वास नीति अपनाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों और जवानों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि एंटी नक्सल अभियान को लगातार सशक्त और सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में 15 नवीन अस्थायी कैंप और विशेष सहयोगी दस्ता के 882 पद स्वीकृत किए गए हैं। सतत निगरानी, सघन जांच और कार्रवाइयों से प्रदेश में नक्सली दायरा तेजी से घटा है। उन पर फोर्स का दबाव बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पुनर्वास के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पिछले वर्ष 46 एकल सुविधा केंद्र खोले गए। इन केंद्रों के माध्यम से रोजगार, वन अधिकार पत्र और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद आशीष शर्मा की वीरता को नमन करते हुए कहा कि कर्तव्यपथ में उत्कृष्टता से कार्य करने वाले 328 हॉक फोर्स सहित पुलिस अधिकारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जो कानून की राह अपनाते हैं, उनकी पुनर्वास की चिंता सरकार की है।

फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट 30 करोड़ की धोखाधड़ी में गिरफ्तार

इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवम्बर को भट्ट के खिलाफ मामला दर्ज कराया था

उदयपुर, (का.स.), 7 दिसंबर। तीस करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में फिल्ममेकर विक्रम भट्ट को मुंबई और राजस्थान पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उन्हें मुंबई के यारी रोड स्थित गंगा भवन अपार्टमेंट से पकड़ा,जो उनकी साली का निवास बताया गया है। गिरफ्तारी के तुरंत बाद राजस्थान पुलिस ने विक्रम भट्ट को उदयपुर लाने के लिए बांद्रा कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड की अर्जी दाखिल कर दी है।

- **डॉ. मुर्डिया का आरोप है कि विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट, पुत्री कृष्णा ने उनसे दो फिल्म बनाने का कॉन्ट्रैक्ट किया तथा जिन वेंडर्स को पेमेंट कराया वे फर्जी निकले।**
- **राजस्थान पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में विक्रम भट्ट को उदयपुर लाने के लिये ट्रांजिट रिमांड का प्रार्थना पत्र लगाया।**

उदयपुर के प्रमुख उद्योगपति (डॉक्टर) और इंदिरा आईवीएफ ग्रुप के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट सहित 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था।शिकायत के मुताबिक एक इवेंट में उनकी मुलाकात दिनेश कटारिया से हुई जिसने उनकी पत्नी की बायोपिक फिल्म बनाने का प्रस्ताव रखा। मुर्डिया को 24 अप्रैल 2024 को मुंबई के वृंदावन स्टूडियो बुलाया गया जहां उनकी मुलाकात खुद विक्रम भट्ट से कराई गई। मुर्डिया का आरोप है कि बातचीत में उन्हें बताया गया कि विक्रम भट्ट उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट और बेटी कृष्णा फिल्म निर्माण से जुड़ी हैं। इसके बाद ‘बायोपिक’ और ’महाराणा’ नाम की दो फिल्मों के लिए 40 करोड रुपए का कॉन्ट्रैक्ट किया गया। 31 मई 2024 को मुर्डिया ने 2.5 करोड रुपए आरटीजीएस किए जिसके बाद 7 करोड रुपए और मांगे गए। दावा किया गया कि 4 फिल्मों पर 47 करोड खर्च होंगे और 100-200 करोड तक का रिटर्न मिलेगा। मुर्डिया ने बताया कि विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी के निर्देश पर जिन वेंडर्स को पेमेंट की गई वे वास्तविक में फर्जी निकले, कोई पुताई का मजदूर तो कोई ऑटो चालक। भुगतान की गई रकम का बडा हिस्सा बाद में कथित तौर पर श्वेतांबरी भट्ट के खाते में ट्रांसफर किया गया।

ज्ञातव्य है कि उदयपुर पुलिस ने पिछले सप्ताह विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी और अन्य 6 आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। सभी को 8 दिसंबर तक पेश होने का आदेश भी दिया गया था। नोटिस के मुताबिक ये आरोपी विदेश नहीं जा सकते थे। मामला सामने आने पर विक्रम भट्ट ने दावा किया था कि उन्हें किसी भी प्रकार का नोटिस नहीं मिला है और उन्हें यह जानकारी सिर्फ मीडिया के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा था मुझे लगता है राजस्थान पुलिस को गुमराह किया गया है। मेरे पास ईमेल और कॉन्ट्रैक्ट के रूप में सबूत मौजूद हैं। अगर मैं धोखा दे रहा था तो शिकायतकर्ता मेरे साथ तीसरी फिल्म क्यों शुरू करते, भट्ट ने यह भी आरोप लगाया कि फिल्म से जुड़े तकनीशियनों को पेमेंट न करने की वजह से फिल्म में देरी हुई और यह शिकायतकर्ता की गलती थी। जानकारी के अनुसार ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद राजस्थान पुलिस विक्रम भट्ट को उदयपुर लाकर आगे की पूछताछ करेगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908